PC-13942/NH

C/2111

काव्य, अलंकार, साहित्य एवं व्याकरण

Opt. (i)

(Semester–V)

(Private and DE)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 100

प्रथम–भाग

I. (क) निम्नलिखित श्लोकों में से यथेच्छा किन्हीं **दो** श्लोकों का अनुवाद व सप्रसंग व्याख्या करें।

(अ) कदाचिदासन्नसखीमुखेन सा मनोरथज्ञं वितरं मनस्विनी।
अयाचतारण्यनिवासमात्मनः फलोदयान्ताय तपः समाधये।।

(ब) विरोधिसत्त्वोज्झितपूर्वभत्सरं द्रुमैरभीष्टप्रसवार्चितातिथि।
नवोटजाभ्यन्तरसंभृतानलं तपोवनं तच्च बभूव पावनम्।।

(स) स्वयं विशीर्णद्रुमपणवृतिता परा हि काष्ठा तपस्तया पुनः।
तदप्यपाकीर्णमतः प्रियंवदां वदन्त्यपर्णेति च तां पुराविदः।।

(द) यथा श्रुतं वेदविदां वर त्वया जनोऽयमुच्चैः
पदलङ्घनोत्सुकः।
तपः किलेदं तदवाप्तिसाधनं मनोरथानामगतिर्न विद्यते।।

(7½×2=15)

(ख) निम्नलिखित अलंकारों में से किन्हीं **दो** अलंकारों के लक्षण उदाहरण व समन्वय सहित लिखें :

श्लेष, रूपक, दृष्टान्त, अर्यान्तन्यास। (7½×2=15)

द्वितीय–भाग

II. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का व्यक्तित्व व कृतित्वं सविस्तार से लिखें :

(अ) महाकवि भास।

(ब) भर्तृहरि। (15×1=15)

(ख) निम्नलिखित किन्हीं **पाँच** शब्दों के साथ यथानिर्दिष्ट स्त्री प्रत्यय जोड़कर रूप बनाएँ:

कृष्ण + टाप्, नर्तक + ङीष्, पथिक + ङीष्, मूषक + टाप्, भोगकर! + ङीन्, दातृ + ङीन्, अचल + टाप्, गोप + ङीष्, उभय + ङीष्, नद + ङीन्। (5×1=5)

(ग) निम्नलिखित किन्हीं **पाँच** धातुओं के साथ विजन्त प्रत्यय लगाकर रूप बनाएँ :

भू + णिच्, शक् + णिच्, आप + णिच्, ज्ञा + णिच्, पा + णिच्, गम् + णिच्, दा + णिच्, लभ् + णिच्, कृ + णिच्, हन + णिच्, (5×1=5)

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करें :

(i) बालक रामायण पढ़ता है।

(ii) तुम क्या पूछते हो?

(iii) हम सब अमृतसर गए।

(iv) गुरु को प्रणाम।

(v) माता पुत्र को भोजन देती है।

(vi) परमात्मा सबको देखता है।

(vii) गुरु शिष्य को ज्ञान देता है।

(viii) नगर के दोनों ओर उपवन हैं।

(ix) सदा सत्य बोलो।

(x) हमें सदा मधुर वचन बोलने चाहिएं। (5×1=5)

तृतीय–भाग

III. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के लघु-उत्तर दें :

(क) 'कुमारसम्भवम्' के पञ्चम सर्ग का वैशिष्ट्य लिखें।

(ख) बाणभट्ट का स्थिति काल निर्धारित करें।

(ग) महाकवि कालिदास की रचनाओं का नाम लिखकर उनका वैशिष्ट्य बताएँ।

(घ) भ्रान्तिमान अलंकार का उदाहरण लिखकर उसे स्पष्ट करें।

(ङ) 'यमक' अलंकार का लक्षण लिखकर उसे स्पष्ट करें।

(च) महर्षि वाल्मीकि को 'आदि कवि' क्यों कहा जाता है?

(छ) महाकवि जयदेव की रचना/रचनाओं का परिचय लिखें।

(ज) 'कुमारसम्भवम्' के पंचम सर्ग अनुसार पार्वती को 'अपर्णा' कहने से क्या तात्पर्य है?

(झ) "गौरीशिखरं शिखण्डिमत्" से क्या अभिप्राय है?

(ञ) 'कुमारसम्भवम्' के पंचम सर्ग में किस छन्द का प्रयोग हुआ है? उसका लक्षण लिखें। (10×4=40)